आजादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज
के संयुक्त तत्वावधान में

मिशन शक्ति 3.0 अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

''भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मोबाई का अवदान''

17 जून, 2022

कार्यक्रम विवरण

गतिविधियाँ				समय
दीप प्रज्ज्वलन	:	मुख्य अतिथि, माननीया कुलपति जी एवं अतिथियों द्वारा	–	पूर्वाह्न 11:00 से 11:02 तक
कुलगीत	:	ऑडियो प्रस्तुतीकरण		पूर्वाह्न 11:02 से 11:05 तक
पुष्प द्वारा स्वागत	:	मुख्य अतिथि, माननीया कुलपति जी एवं अतिथियों का पुष्प भेंट कर स्वागत	–	पूर्वाह्न 11:05 से 11:07 तक
वाचिक स्वागत		श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह सचिव, हिंन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज	–	पूर्वाह्न 11:07 से 11:12 तक
विषय प्रवर्तन	:	प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	–	पूर्वाह्न 11:12 से 11:20 तक
उद्‌बोधन–1	:	श्री रविनन्दन साहित्यकार, प्रयागराज	–	पूर्वाह्न 11:20 से 11:35 तक
उद्‌बोधन–2		डॉ0 श्लेष गौतम कवि एवं गीतकार, प्रयागराज	–	पूर्वाह्न 11:35 से 11:50 तक
मुख्य अतिथि का उद्‌बोधन	:	श्रीमती रजनी तिवारी माननीया उच्च शिक्षा राज्य मन्त्री उत्तर प्रदेश	–	पूर्वाह्न 11.50
अतिथि सम्मान	:	मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का सम्मान	–	05 मिनट
अध्यक्षीय उद्‌बोधन	:	प्रोफेसर सीमा सिंह माननीया कुलपति उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	–	10 मिनट
आभार ज्ञापन	:	प्रोफेसर पी0 पी0 दुबे कुलसचिव उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज	–	05 मिनट
राष्ट्रगान	:		–	

संचालन : प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय, *आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज*

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मिशन शक्ति 3.0 के अन्तर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठीका शीर्षक :–''भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान''

(दिनाँकः– 17 जून, 2022)

आयोजक

शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211021

www.uprtou.ac.in

एवं

हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज

कार्यक्रम आख्या

शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी के संयुक्त के तत्वाधान में दिनांक 17 जून, 2022 को मिशन शक्ति 3.0 के अन्तर्गत ''स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान'' विषयक शीर्षक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मन्त्री, उत्तर प्रदेश थीं। कार्यक्रम में श्री रविनन्दन, साहित्यकार, प्रयागराज एवं डॉ0 श्लेष गौतम, कवि एवं गीतकार, प्रयागराज ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं माननीय कुलपति महोदया जी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्पार्जन करते हुए महारानी लक्ष्मीबाई तथा राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जी के चित्र पर पुष्पार्जनकिया गया। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर प्रशान्त कुमार स्टालिन (निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा) ने माननीया कुलपति मैम का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव, डॉ0 दिनेश सिंह (सह आचार्य शिक्षा विद्याशाखा) ने कार्यक्रम समन्वयक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, (सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज) एवं कवि डॉ0 श्लेष गौतम जी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।कार्यक्रम सह–संयोजक प्रोफेसर छत्रसाल सिंह जी ने विशिष्ट अतिथि श्री रविनन्दन (साहित्यकार) जी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वयक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया। प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय, संगोष्ठी संयोजक एवं आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने विषय प्रवर्तन एवं कार्यक्रम संचालन किया।

श्रीरविनन्दन, साहित्यकार,ने फ्रांस के विद्वान माइकल फोकाल्टकी पुस्तक '' पावर एण्ड नॉलेज'' का उद्धरण देते हुए कहा कि उस पुस्तक में लिखा गया है कि जैसी सत्ता होती है इतिहास वैसे ही लिखा जायेगा, जैसी सत्ता होगी संस्कृति एवं ज्ञान का प्रारूप भी वैसा ही होगा। पाठ्यक्रम भी सत्ता के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि यह भी सत्य है कि रानी लक्ष्मीबाई का सही मूल्यांकन नहीं हुआ। आज हमारे राज्य की प्राथमिकता हो गयी है कि स्थानीय स्तर पर जो भी स्वतंत्रता सेनानी हुए हैं इतिहास में उनका जिक्र होना चाहिए। 1857 की क्रांति में रानी लक्ष्मीबाई ही ऐसी हैं जिनको बच्चा–बच्चा जानता है।झांसी कचहरी में लगभग सैकड़ों लोगों के बयान का दस्तावेज उपलब्ध हैं। इतिहास के पुनर्लेखन के लिए जो भी साहित्य या दस्तावेज हमारे पास उपलब्ध है उनका विश्लेषण व पुनरावलोकन होना चाहिए। अनेक अग्रेंज विद्वानों ने भी महारानी लक्ष्मीबाई की तरीफ किया है। अंग्रेज हेरोज ने स्टेटमेंट दिया कि भारत में एक ही मर्द थी वह थी झांसी की रानी लक्ष्मीबाई।

डॉ0 श्लेष गौतम, कवि एवं गीतकार, प्रयागराज ने कहा कि सही तथ्य आ जाने से स्थिति स्पष्ट होती है। उन्होंने कविता के माध्यम से अपना भाव व्यक्त किया कि–

हार नहीं मानी लक्ष्मीबाई ने बलिदान दिया, मान दिया भारत को सम्मान दिया।
आजादी की नींव रखी, हम सबको हिन्दुस्तान दिया।।

उन्होंने कहा कि नारी हमेशा से लड़ती आ रही है। स्वतंत्रता के समय रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रजों के साथ–साथ अपने सम्मान के लिए भी उन्होंने लड़ा। उनके ऊपर दामोदर के रूप में राष्ट्र का दारोमदार था या जिम्मेदारी थी। प्रेरणा के लिए साहित्य का बहुत बड़ा योगदान है। पुनः उन्होंने कविता के माध्यम से कहा कि–

कोई मन के लिए कोई धन के लिए, कोई जीता है बस तन–बदन के लिए।
याद रखती है दुनिया मगर बस उसे, जान दे दे जो अपनी वतन के लिए।।

उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का योगदान कालातीत है। उनके अवदान को किसी तराजू मे हम नहीं माप सकते।

मुख्य अतिथि**श्रीमती रजनी तिवारी** जी द्वारा अपने संबोधन में कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व विराट था। पति के देहान्त के बाद वह अबला, बेचारी भी बन सकती थीं लकिन जिनके अन्तर्मन में देश प्रेम हो तो वह महान वीरांगना बन जाती है और उन्होंने वही किया। आज प्रधानमंत्री के रूप में हमारे पास महान नेतृत्व है। विदेशी नेतृत्व भी कहता है कि अगर नेतृत्व हो तो वह भारत जैसा हो। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की महानता के कारण हो रहा है। महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व विशेषरूप से महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को शसक्त किया है। महिला जन–धन खाते खुलवाये गये हैं तथा महिला समूह के माध्यम से उन्हें रोजगार देकर सभी को आत्मनिर्भर करने का प्रयास किया है। यह सब प्रधानमंत्री की कार्यकुशलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रके निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक से अधिक जबावदेह और कोई नहीं हो सकता। छात्रों के चरित्र निर्माण की जिम्मेदारी शिक्षकों पर ही है। प्रधानमंत्री एवं हमारे प्रदेश के मुख्यंत्री जी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बहुत ही अच्छे से कर रहे हैं।

हमारे विश्वविद्यालय की **मा0 कुलपति महोदया** ने सुभद्रा कुमारी चौहान के कविता की पंक्तियों **बुन्देलों हर बोलों के मुँह से हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी** के माध्यम से अपना अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को महारानी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने भावुक होकर कहा कि यदि मैं उस समय होती तो शायद उनकी दुर्गा वाहिनी में सम्मिलित होती। उन्होने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि आज समय बदल गया है। आज महिलायें सबसे आगे हैं, महिलायें सशक्त हो गयी हैं। उन्होने कहा कि अगर कोई अपने देश के लड़े तो यह न कहकर कि वह मर्द की लड़ रहा है बल्कि यह कहना चाहिए कि वह तो झांसी की रानी की तरह लड़ रहा है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन के पूर्व मुख्य अतिथि महोदया, मा0 कुलपति मैम एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी के सचिव श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, साहित्यकार **श्री रविनन्दन, कवि एवं गीतकार डॉ0 श्लेष गौतम** तथा संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय जी को अंगवस्त्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी की तरफ से पुस्तकें एवं फल प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर पी0 पी0 दुबे, कुलसचिव, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराजद्वारा किया गया। आयोजन सदस्य के रूप में शिक्षा विद्याशाखा के समस्त प्राध्यापक डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, डॉ0 उपेन्द्र नाथ तिवारी, डॉ0 नीता मिश्रा, श्री परविन्द कुमार वर्मा, डॉ0 आर0 एन0 सिंह, डॉ0 संजय कुमार सिंह एवं श्रीमती सुषमा सिंह ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपने–अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। शिक्षा विद्याशाखा के शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री उज्जवल दास एवं श्री रामानन्द यादव ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने–अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। विश्वविद्यालय के तकनीकी अधिकारियों एवं मीडियाकर्मियों ने अपना विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशकगण, विश्वविद्यालय तथा अन्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षार्थियों, कर्मचारी, विद्यार्थियों आदि लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

17 जून, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 17 जून, 2022 को **स्वतंत्रता आंदोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य अतिथि माननीया राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, श्रीमती रजनी तिवारी जी रही तथा विशिष्ट वक्ता कवि एवं गीतकार डॉ0 श्लेश गौतम जी एवं साहित्यकार श्री रविनंदन जी रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

दीप प्रज्ज्वलित करकराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करती हुई मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मा0 राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी एवं मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथियों का स्वागत हिंदुस्तानी एकेडेमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। विषय प्रवर्तन एवं कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्या शाखा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव, प्रो. पी. पी. दुबे ने किया। प्रारंभ में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पी.के. पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्या शाखा तथा विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत करते हुए शिक्षकगण।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मा0 राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए हिंदुस्तानी एकेडेमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह एवं मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन

हिंदुस्तानी एकेडेमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि श्री रविनन्दन जी एवं डॉ0 श्लेश गौतम जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए डॉ0 दिनेश सिंह एवं प्रो0 छत्रसाल सिंह

विषय प्रवर्तन करते हुए हिंदुस्तानी एकेडेमी के सचिव श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

श्री रविनंदन

इतिहास के पुनर्लेखन के लिए जो भी साहित्य, दस्तावेज हमारे पास उपलब्ध हैं, उनका विश्लेषण व पुनरावलोकन होना चाहिए : रविनंदन

विशिष्ट वक्ता साहित्यकार श्री रविनंदन जी ने रानी लक्ष्मीबाई 1857 के शहीदों में ऐसी क्रांतिकारी रहीं जिनको बच्चा–बच्चा जानता है लेकिन यह सत्य है कि रानी लक्ष्मीबाई का सही मूल्यांकन नहीं हुआ। इतिहास के पुनर्लेखन के लिए जो भी साहित्य, दस्तावेज हमारे पास उपलब्ध हैं, उनका विश्लेषण व पुनरावलोकन होना चाहिए।

डॉ0 श्लेश गौतम

रानी लक्ष्मीबाई का योगदान कालातीत है : श्लेश गौतम

विशिष्ट वक्ता कवि एवं गीतकार डॉ0 श्लेश गौतम जी ने कहा कि स्वतंत्रता के समय रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के साथ–साथ अपने सम्मान के लिए भी संघर्ष किया। रानी लक्ष्मीबाई का योगदान कालातीत है । उनके अवदान को किसी तराजू में हम माप नहीं सकते।

महान वीरांगना थी रानी लक्ष्मीबाई– रजनी तिवारी

श्रीमती रजनी तिवारी जी
राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा

रानी लक्ष्मीबाई महान वीरांगना थी । आज उस वीरांगना को याद करना भारतवर्ष के लिए महान उपलब्धि है। रानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व बहुत विराट था। उनके पास सागर जैसा ज्ञान था और जीवन बहुत छोटा लेकिन प्रेरणादायी था।

उक्त उद्‌गार उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मा0 राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी ने व्यक्त किए। श्रीमती तिवारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को स्वतंत्रता आंदोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं।

श्रीमती तिवारी ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है।

उच्च शिक्षा मा0 राज्य मंत्री श्रीमती तिवारी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका बहुत बड़ी है। शिक्षक के ऊपर ही चरित्र निर्माण की भी जिम्मेदारी है। श्रीमती तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी समझ रहे हैं और राष्ट्र के विकास में अपना पूरा वक्त दे रहे हैं। सरकार की उज्ज्वला योजना एवं जनधन खाते से महिलाओं के बहुत बड़े तबके को काफी राहत मिली है।

श्रीमती रजनी तिवारी जी
राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा

उन्होंने कहा कि समस्या को बढ़ाने वालों का वक्त अब चला गया । अब तो समस्या का समाधान बहुत जरूरी है। हम अपनी जिम्मेदारी किसी और पर थोप कर बच नहीं सकते।

अतिथि सम्मान

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि
माननीया राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा,
उत्तर प्रदेश सरकार
श्रीमती रजनी तिवारी जी
को अंगवस्त्र, पुस्तक, फल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर
उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की
माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

माननीय अतिथियों को पुस्तक भेंट करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के शिक्षक डॉ0 रविन्द्र प्रताप सिंह

कार्यक्रम की
अध्यक्षता
कर रही
विश्वविद्यालय
की
माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को अंगवस्त्र,
पुस्तक, फल
एवं
स्मृति चिन्ह भेंट
कर
उनका सम्मान
करते हुए
निदेशक शिक्षा विद्याशाखा,
प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन

विशिष्ट अतिथि
श्री रविनन्दन जी
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति
चिन्ह
भेंट करते हुए
हिंदुस्तानी एकेडेमी
के
सचिव
श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

विशिष्ट अतिथि
डॉ0 श्लेश गौतम जी
एवं संगोष्ठी के संयोजक
प्रो. पी.के. पाण्डेय
आचार्य, शिक्षा विद्या शाखा को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए
हिंदुस्तानी एकेडेमी के सचिव
श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

महिलाओं को महारानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए : कुलपति

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि महिलाओं को महारानी लक्ष्मीबाई के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। महारानी का कोई एक गुण अपने जीवन में जरूर अपनाएं। महारानी लक्ष्मी बाई के अंदर देश के प्रति समर्पण भरा था।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उन्होंने कहा कि बदलते वक्त के साथ आज महिलाएं बहुत सशक्त हो गई हैं और सबसे आगे हैं। उन्होंने सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य पंक्तियों को गुनगुना कर श्रोताओं में जोश भर दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव प्रो. पी.पी. दुबे

राष्ट्रगान

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

विश्वविद्यालय आगमन पर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मा0 राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबे, मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार तथा हिन्दुस्तानी एकेडेमी के सदस्यगण। इस अवसर पर कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, प्रोफेसर, शिक्षक, गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी एवं कर्मचारगण उपस्थित रहे।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

में

17 जून, 2022 को

आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

पंजीकरण प्रारूप

(नि:शुल्क पंजीकरण)

नाम :	
संस्था का नाम व पता :	
पद नाम :	
पत्र-व्यवहार का पता :	
मोबाइल नं. :	
ई मेल :	

हस्ताक्षर :

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

में

17 जून, 2022 को

आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

"भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान"

सेवा में :

संयोजक

प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय

आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 17 जून, 2022

"भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान"

संरक्षक

प्रोफेसर सीमा सिंह

कुलपति

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम निदेशक

डॉ. प्रशान्त कुमार स्टालिन

निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय

आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक

देवेन्द्र प्रताप सिंह

सचिव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ. दिनेश सिंह

सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

जिन महान लोगों का मन वीर भाव से भरा होता है उनका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान होता है। वह एक आदर्श चरित्र जीता है जो समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमेशा आश्वस्त, कर्तव्यपरायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। रानी लक्ष्मीबाई का ऐसा ही आदर्श व्यक्तित्व था। वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन में रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरने लगती है। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई जिन्होंने भारतीय वसुंधरा को अपने वीर भाव से गर्वित किया, एक सच्ची नायिका थीं। उन्होंने अपने जीवन काल में एक ऐसा आदर्श स्थापित करके सभी को पीछे छोड़ दिया, जिनसे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। उनके मन में हमेशा भक्ति थी जिसने उनके राज्य और राष्ट्र के साथ एकता स्थापित की। इस संकल्प के साथ कि "मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी" उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। आज हम जिस स्वतंत्र भारत में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं उसमें रानी लक्ष्मीबाई का अविस्मरणीय योगदान है। अत: प्रस्तावित विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाना उपयुक्त एवं सामयिक है।

इसी अनुक्रम में शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 17 जून, 2022 को मिशन शक्ति 3.0 के अन्तर्गत "भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का विषय

"भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में महारानी लक्ष्मीबाई का अवदान"

कार्यक्रम तिथि एवं समय

17 जून, 2022, पूर्वाह्न 11.00 बजे

कार्यक्रम स्थल

तिलक शास्त्रार्थ सभागार,

सरस्वती परिसर, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मु0 वि0 वि0, प्रयागराज

प्रतिभागी

समस्त प्राध्यापक, अधिकारी/ प्रभारी,

कर्मचारी एवं शोधार्थी

मुख्य अतिथि

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री

उत्तर प्रदेश

अध्यक्ष

प्रोफेसर सीमा सिंह

कुलपति

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज

कार्यक्रम निदेशक

डॉ0 प्रशान्त कुमार स्टालिन

निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक

प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय

आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सह-संयोजक

प्रोफेसर छत्रसाल सिंह

आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजन सचिव

डॉ0 दिनेश सिंह

सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सह- आयोजन सचिव

डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी

सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

आयोजक सदस्य

डॉ0 सुरेन्द्र कुमार	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ0 उपेन्द नाथ तिवारी	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ0 नीता मिश्रा	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
श्री परविन्द कुमार वर्मा	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ0 आर0 एन0 सिंह	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ0 संजय कुमार सिंह	: सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
श्रीमती सुषमा सिंह	: शिक्षा विद्याशाखा, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज